1 थिस्सलुनीकियों (भाग 2)
पद दर पद पुस्तक का अध्ययन
अक्तूबर 10, 2023

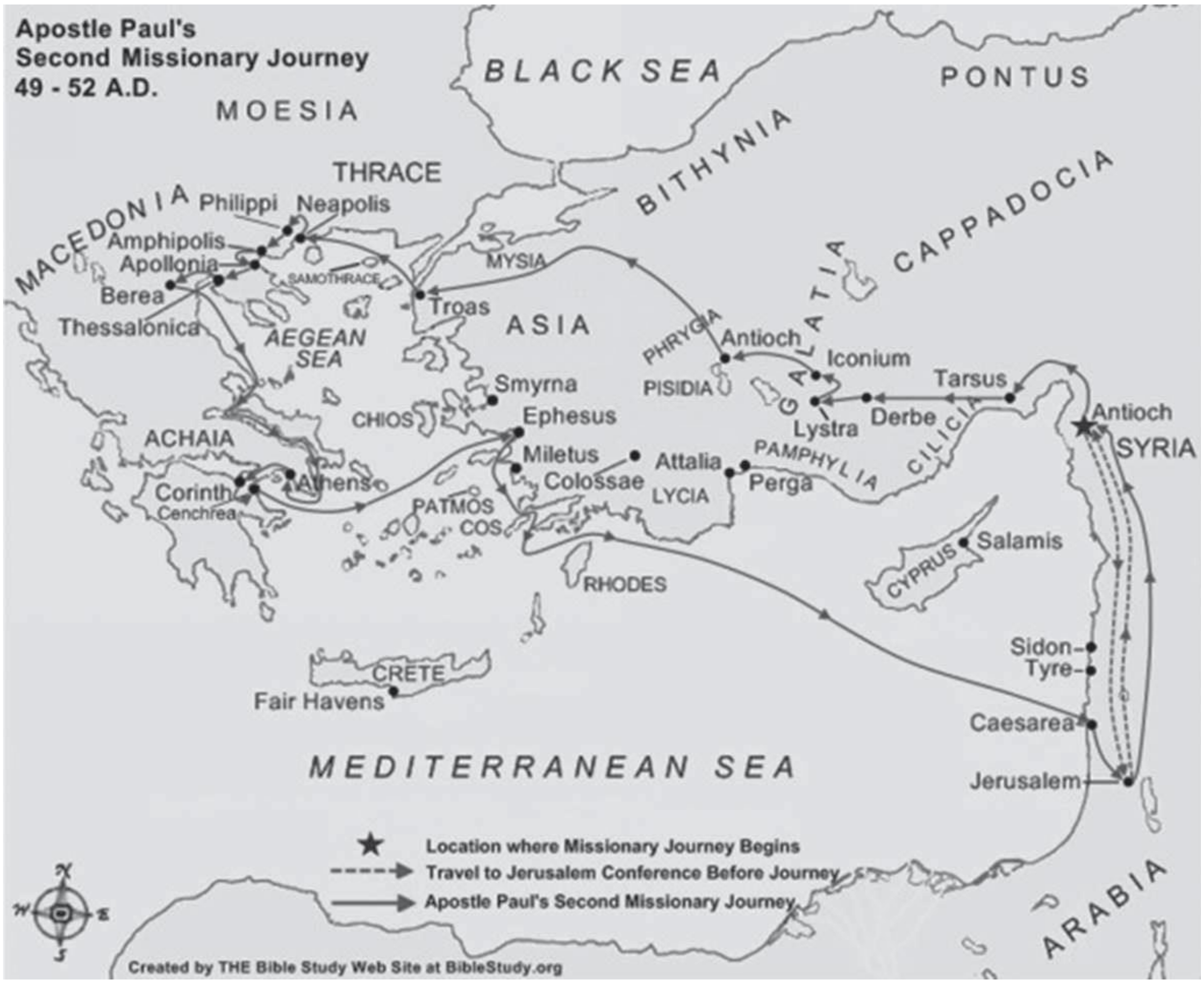

1 थिस्सलुनीकियों अध्याय 3
इन क्लेशों के द्वारा डगमगाए नहीं
1 थिस्सलुनीकियों 3:1-5

1 इसलिये जब हम से और न रहा गया, तो हम ने यह ठहराया कि एथेन्स में अकेले रह जाएँ;
2 और हम ने तीमुथियुस को, जो मसीह के सुसमाचार में हमारा भाई और परमेश्‍वर का सेवक है, इसलिये भेजा कि
वह तुम्हें स्थिर करे और तुम्हारे विश्‍वास के विषय में तुम्हें समझाए,
3 कि कोई इन क्लेशों के कारण डगमगा न जाए। क्योंकि तुम आप जानते हो कि हम इन ही के लिये ठहराए गए
हैं।
4 क्योंकि पहले ही, जब हम तुम्हारे यहाँ थे तो तुम से कहा करते थे कि हमें क्लेश उठाने पड़ेंगे, और ऐसा ही हुआ है,
जैसा कि तुम जानते भी हो।
5 इस कारण जब मुझ से और न रहा गया, तो तुम्हारे विश्‍वास का हाल जानने के लिये भेजा, कि कहीं ऐसा न हो
कि परीक्षा करनेवाले ने तुम्हारी परीक्षा की हो, और हमारा परिश्रम व्यर्थ हो गया हो।

- **वचन 2:**

तीमुथियुस उस समय केवल एक युवा व्यक्ति था जो लगभग एक वर्ष से पौलुस की सेवकाई समूह का हिस्सा था। फिर भी पौलुस उसका परिचय एक भाई, परमेश्वर के सेवक और सहकर्मी के रूप में कराता है। वह अपनी समूह के सदस्य को सम्मान देता है।

परमेश्वर हमारे विश्वास के मार्ग में हमें स्थिर करने (मजबूत बनाने) और प्रोत्साहित करने (साथ आकर बल देने) के लिए दूसरों का उपयोग कर सकता है।

- **वचन 3:**

विश्वासियों के रूप में हमें क्लेशों (सतावों) का सामना करना पड़ेगा, लेकिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि ये परेशानियाँ हमें डगमगाने न पायें (विश्वास से हट जाना)।

- **वचन 4-5:**

पौलुस ने पहले ही चेतावनी दी थी कि इन विश्वासियों को सताव का सामना करना पड़ेगा। यीशु मसीह पर से लोगों का विश्वास हटाने के लिए शैतान इन सतावों का फायदा उठाता है।

अगर तुम स्थिर हो, तो हम जीवित हैं

1 थिस्सलुनीकियों 3:6-8

6 पर अभी तीमुथियुस ने, जो तुम्हारे पास से हमारे यहाँ आया है, तुम्हारे विश्वास और प्रेम का सुसमाचार सुनाया और इस बात को भी सुनाया कि तुम सदा प्रेम के साथ हमें स्मरण करते हो, और हमारे देखने की लालसा रखते हो, जैसा हम भी तुम्हें देखने की।
7 इसलिये हे भाइयो, हम ने अपने सारे दुख और क्लेश में तुम्हारे विश्वास से तुम्हारे विषय में शान्ति पाई।
8 क्योंकि अब यदि तुम प्रभु में स्थिर रहो तो हम जीवित हैं।

- **वचन 8:**

यह पद परमेश्वर के सेवक के रूप में पौलुस के हृदय को प्रकट करता है। उसका जीवन, आनंद और उद्देश्य सिर्फ यही था कि वह दूसरों को प्रभु यीशु मसीह में बढ़ते और अपने विश्वास में दृढ़ता से खड़े रहते हुए देखना चाहता था।

तुम्हारे विश्वास की घटी पूरी करें।

1 थिस्सलुनीकियों 3:9:11

9 और जैसा आनन्द हमें तुम्हारे कारण अपने परमेश्वर के सामने है, उसके बदले तुम्हारे विषय में हम किस रीति से परमेश्वर का धन्यवाद करें?
10 हम रात दिन बहुत ही प्रार्थना करते रहते हैं कि तुम्हारा मुँह देखें और तुम्हारे विश्वास की घटी पूरी करें।
11 अब हमारा परमेश्वर और पिता आप ही और हमारा प्रभु यीशु, तुम्हारे यहाँ आने में हमारी अगुआई करे;

हालाँकि पौलुस ने अध्याय 1, (1:5), में इन विश्वासियों के विश्वास, प्रेम और आशा के लिए उनकी प्रशंसा की थी, फिर भी वह यह स्वीकार करता है कि उन्हें अभी भी अपने विश्वास में बढ़ने और परिपक्व होने की आवश्यकता है। और इसी कारण वह उनके बीच वापस जाने के लिए लालायित रहता है, ताकि एक बार फिर उनके बीच सेवा कर सके और उनके विश्वास के जीवन में उन्हें निरंतर मजबूत कर सके।

यह हमारे लिए इन बातों को पहचानना ज़रूरी है कि हमारे व्यक्तिगत विश्वास के जीवन में क्या घटी है और विश्वास के मार्ग में जो कुछ भी कमी है, उसे पूरा करने (सिद्ध बनाने) की आवश्यकता है। जब हम इसे स्वीकार करेंगे, तभी हम अपने आत्मिक जीवन में सुधार कर पायेंगे।

वचन 11:
थिस्सलुनीकियों की कलीसिया के पास जाने का मार्ग बनाने के लिए पौलुस ने परमेश्वर की ओर देखा।

हमने पहले अध्याय 2 (2:18) में देखा था जहाँ पौलुस ने उल्लेख किया था कि उस समय शैतान ने उसे थिस्सलुनीकियों के पास जाने से रोक दिया था।

हम जो जानते हैं कि पौलुस की तीसरी मिशनरी यात्रा (AD 53-58) के दौरान, वह कई बार मकिदुनिया और अखया गया था (प्रेरितों के काम 19:21, प्रेरितों के काम 20:1-4)। उसने मकिदुनिया में सेवा करने के लिए तीमुथियुस और इरास्तुस को भी भेजा (प्रेरितों के काम 19:22)। वह मकिदुनिया से ऐसे अगुवों को तैयार करने और उनको आत्मिक पोषण देने में सक्षम हुआ जो उसकी प्रेरिताई समूह का हिस्सा बने। प्रेरितों के काम 19:29 में उल्लेख है "गयुस और अरिस्तर्खुस, जो मकिदुनी और पौलुस के सहयात्री थे"। प्रेरितों के काम 20:4 में "बिरीया का सोपत्रूस... और थिस्सलुनीकियों में से अरिस्तर्खुस और सिकुन्दुस" का उल्लेख है।

जब शैतान कभी-कभी हमें किसी विशेष क्षेत्र या इलाके में प्रवेश करने से रोकता हुआ प्रतीत होता है, तो हम शत्रु के साथ नहीं उलझते बल्कि अन्य क्षेत्रों में परमेश्वर के राज्य का विस्तार करना करना चाहिए। बाद में, परमेश्वर हमें उन्हीं क्षेत्रों में वापस ले जाता है जहाँ हमने पहले विरोध का सामना किया था, ताकि हम परमेश्वर के राज्य की महान उन्नति देख सकें।

बढ़े और उन्नति करे

1 थिस्सलुनीकियों 3:12,13
12 और प्रभु ऐसा करे कि जैसा हम तुम से प्रेम रखते हैं, वैसा ही तुम्हारा प्रेम भी आपस में और सब मनुष्यों के साथ बढ़े, और उन्नति करता जाए,
13 ताकि वह तुम्हारे मनों को ऐसा स्थिर करे कि जब हमारा प्रभु यीशु अपने सब पवित्र लोगों के साथ आए, तो वे हमारे परमेश्वर और पिता के सामने पवित्रता में निर्दोष ठहरें।

अब हम देखते हैं कि पौलुस कुछ महत्वपूर्ण विषयों का उल्लेख करना शुरू कर रहा है जिन पर वह अपनी पत्री में चर्चा करेगा: विश्वासी एक-दूसरे के प्रति अपने प्रेम में बढ़ते रहें, विश्वासी पवित्रता में चलें, और प्रभु यीशु का उनके पवित्र संतों के साथ वापस आना (वे जो मर चुके हैं और प्रभु के पास चले गए हैं) इन बातों को निरंतर याद दिलाता रहता हैं।

पौलुस हृदय से शुरुआत करता है। हमें परमेश्वर के सामने पवित्रता से (शुद्ध और संसार से अलग किये गए) अपने हृदय को साफ और सभी पापों से मुक्त रखने की आवश्यकता है।

हमें प्रेम में निरंतर क्यों बढ़ते रहना चाहिए? ताकि हमारे हृदय परमेश्वर के सामने शुद्धता और पवित्रता में स्थिर (दृढ़) हो सकें। पवित्रता में चलने के लिए, हमें प्रेम में चलना होगा।

पवित्रता और आदर

1 थिस्सलुनीकियों 4:1-8
[1] इसलिये हे भाइयो, हम तुम से विनती करते हैं और तुम्हें प्रभु यीशु में समझाते हैं कि जैसे तुम ने हम से योग्य चाल
चलना और परमेश्वर को प्रसन्न करना सीखा है, और जैसा तुम चलते भी हो, वैसे ही और भी बढ़ते जाओ।
[2] क्योंकि तुम जानते हो कि हम ने प्रभु यीशु की ओर से तुम्हें कौन कौन सी आज्ञा पहुँचाई।
[3] क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो: अर्थात् व्यभिचार से बचे रहो,
[4] और तुम में से हर एक पवित्रता और आदर के साथ अपनी पत्नी को प्राप्त करना जाने,
[5] और यह काम अभिलाषा से नहीं, और न उन जातियों के समान जो परमेश्वर को नहीं जानतीं,
[6] कि इस बात में कोई अपने भाई को न ठगे, और न उस पर दाँव चलाए, क्योंकि प्रभु इन सब बातों का पलटा
लेनेवाला है; जैसा कि हम ने पहले ही तुम से कहा और चिताया भी था।
[7] क्योंकि परमेश्वर ने हमें अशुद्ध होने के लिये नहीं, परन्तु पवित्र होने के लिये बुलाया है।
[8] इस कारण जो इसे तुच्छ जानता है, वह मनुष्य को नहीं परन्तु परमेश्वर को तुच्छ जानता है, जो अपना पवित्र
आत्मा तुम्हें देता है।

यह पवित्रशास्त्र का एक बहुत ही प्रभावशाली भाग है जो पवित्रता के महत्व पर जोर देता है।

- **वचन 1:**

प्रेरित पौलुस ने उन्हें सिखाया कि उन्हें कैसे चलना (जीना) चाहिए और परमेश्वर को कैसे प्रसन्न करना चाहिए या ऐसे तरीके से जीना चाहिए जो परमेश्वर को भाता हो। अब वह उन्हें इसमें निरंतर बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित करता है।

- **वचन 2:**

वह उन्हें उन बातों की याद दिलाता है जिनका उसने उन्हें निर्देश (आदेश) दिया था। वह सबसे पहले उन्हें पवित्रता (शुद्धिकरण) और आदर में जीवन जीने के बारे में याद दिलाता है।

- **वचन 3:**

शुद्धिकरण का अर्थ है एक ऐसा जीवन जीना जो परमेश्वर के लिए 'अलग किया गया' हो या पवित्र मानकर अलग रखा गया हो। हमारे लिए परमेश्वर की यही इच्छा है कि हम उसके लिए अलग होकर जिएं। इसमें हर उस बात से दूर रहना चाहिए जो यौन रूप से अनैतिक है।

यौन संतुष्टि के लिए किया गया ऐसा कोई भी कार्य जो परमेश्वर की मूल योजना के विरुद्ध है, वह व्यभिचार है।

- **वचन 4:**

हमें अपनी शारीरिक और यौन इच्छाओं को वश में रखना, उन्हें संभालना और नियंत्रण में रखना चाहिए।

(एम्प्लीफाइड बाइबल क्लासिक): ताकि तुम में से हर एक को पवित्रता (शुद्धता, अपवित्र चीजों से अलग) और आदर में अपने शरीर को वश में रखना (नियंत्रित करना, प्रबंधित करना) आ जाए

(एम्प्लीफाइड बाइबल): ताकि तुम में से हर एक पवित्रता और आदर में अपने शरीर को नियंत्रित करना सीखे [परमेश्वर के उद्देश्य के लिए उपलब्ध रहना और अपवित्र चीजों से अलग रहना]

(द पैशन ट्रांसलेशन): हाँ, तुम में से प्रत्येक को पवित्रता और गरिमा के साथ अपनी यौन शुद्धता की रक्षा करनी चाहिए,

- **वचन 5:**

हम अपनी वासनापूर्ण बुरी अभिलाषाओं को पूरा करने के लिए अपने शरीरों को नहीं सौंपते हैं।

- **वचन 6:**

हमें यौन शुद्धता के इस मामले में किसी अन्य भाई (या बहन) को ठगना (लोभ के कारण दूसरे का अनुचित लाभ उठाना) या उसका उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

यौन अनैतिकता स्वयं के शरीर के विरुद्ध पाप है (1 कुरिन्थियों 6:18)। यौन अनैतिकता में शामिल दोनों लोग अपने ही शरीर का अपमान करते हैं।

व्यभिचार के मामले, अपनी शादी से बाहर शारीरिक संबंध बनाने वाले व्यक्ति न केवल एक-दूसरे की गरिमा का उल्लंघन करते हैं, बल्कि वे अपने जीवनसाथी के प्रति भी विश्वासघात और उसका अनादर करते हैं।

विवाह से पूर्व या बाहर यौन संबंध के मामले में, दोनों व्यक्ति स्वयं का ही उल्लंघन कर रहे होते हैं।

यदि हम ऐसा करते हैं, तो परमेश्वर स्वयं उनका बदला लेगा जिनके साथ अन्याय हुआ है।

- **वचन 7:**

हमें पवित्रता के लिए बुलाया गया है। यह हमारी बुलाहट है और हम इसमें परमेश्वर के पीछे चलने का चुनाव करते हैं।

- **वचन 8:**

यदि हम यौन अशुद्धता में चलने का चुनाव करते हैं, तो हम केवल किसी मानवीय विचार या मानवीय निर्देश को अस्वीकार नहीं कर रहे हैं। हम स्वयं परमेश्वर को अस्वीकार कर रहे हैं।

और भी अधिक बढ़ते जाएं

1 थिस्सलुनीकियों 4:9,10
9 किन्तु भाईचारे की प्रीति के विषय में यह आवश्यक नहीं कि मैं तुम्हारे पास कुछ लिखूँ, क्योंकि आपस में प्रेम रखना तुम ने आप ही परमेश्वर से सीखा है;
10और सारे मकिदुनिया के सब भाइयों के साथ ऐसा करते भी हो। परन्तु हे भाइयो, हम तुम्हें समझाते हैं कि और भी बढ़ते जाओ,

अगली आज्ञा जिसकी याद प्रेरित पौलुस विश्वासियों को दिलाता है, वह भाईचारे के प्रेम के बारे में है। वह इसे अक्सर दोहराता है।

जब विश्वासी अपने सताने वालों की घृणा का सामना करते हैं, तब वह विश्वासियों को प्रोत्साहित करता है कि वे आपस में और साथ ही बाहर वालों के प्रति भी अपने प्रेम में और भी अधिक बढ़ते जाएं।

अपने काम से काम रखे

1 थिस्सलुनीकियों 4:11,12

11 और जैसी हम ने तुम्हें आज्ञा दी है, वैसे ही चुपचाप रहने और अपना–अपना काम–काज करने और अपने अपने हाथों से कमाने का प्रयत्न करो;

12 ताकि बाहरवालों से आदर प्राप्त करो, और तुम्हें किसी वस्तु की घटी न हो।

आज्ञाओं का अगला समूह जिसके बारे में पौलुस विश्वासियों को निर्देश देता है, वह प्रतिदिन के जीवन और आचरण के बारे में है। वह पाँच ऐसे कार्यों पर प्रकाश डालता है जिनके बारे में उसने इन नए विश्वासियों को पहले ही निर्देश दिया था:

- शांत जीवन जिएं - *चुपचाप और शांतिपूर्वक जिएं।*
- अपने काम से काम रखें - अपने ही मामलों पर ध्यान दें।
- अपने हाथों से काम करें
- उचित रीति से चलें - गैर-मसीहियों के प्रति अपना आचरण अच्छा रखें; *अपने आप को शालीनता से प्रस्तुत करें, सही और सम्मानजनक बनें और बाहरी संसार का सम्मान करें।*
- आपका जीवन परमेश्वर के विश्वासयोग्य प्रबंधन को दर्शाए– *"किसी पर निर्भर न रहें [आत्मनिर्भर बनें] और किसी चीज की कमी न हो" (AB)। "एक सम्मानजनक जीवन जिएं, दूसरों को प्रभावित करें और अविश्वासियों का भी सम्मान करें।" (TPT)*

यीशु का पुनरागमन

1थिस्सलुनीकियों 4:13-18

13 हे भाइयो, हम नहीं चाहते कि तुम उनके विषय में जो सोते हैं, अज्ञानी रहो; ऐसा न हो कि तुम दूसरों के समान शोक करो जिन्हें आशा नहीं।

14 क्योंकि यदि हम विश्वास करते हैं कि यीशु मरा और जी भी उठा, तो वैसे ही परमेश्वर उन्हें भी जो यीशु में सो गए हैं, उसी के साथ ले आएगा।

15 क्योंकि हम प्रभु के वचन के अनुसार तुम से यह कहते हैं कि हम जो जीवित हैं और प्रभु के आने तक बचे रहेंगे, सोए हुओं से कभी आगे न बढ़ेंगे।

16 क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूँकी जाएगी; और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे।

17 तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएँगे कि हवा में प्रभु से मिलें; और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।

18 इस प्रकार इन बातों से एक दूसरे को शान्ति दिया करो।

यह प्रभु के आगमन और कलीसिया के बादलों पर उठाए जाने का वर्णन करने वाले सबसे स्पष्ट पदों में से एक है।

"रैप्चर" शब्द अंग्रेजी बाइबिल में दिखाई नहीं देता है। रैप्चर शब्द प्राचीन यूनानी पाठ में भी नहीं है, बल्कि यह लैटिन वल्गेट से आया है। लैटिन वल्गेट में 1 थिस्सलुनीकियों 4:17 के वाक्यांश *'एक साथ उठा लिए जाएँगे'* का अनुवाद *'सिमुल रेपिएमुर' '(simul rapiemur)'* के साथ किया गया है, जिससे हमें अंग्रेजी का शब्द रैप्चर मिला है।

Simul rapiemur = एक ही समय में उठा लिया जाना।

पासबान, कृपया पद 13-18 की विस्तार से व्याख्या करें।

लाइफ़ ग्रुप अध्ययन मार्गदर्शिका

यह लाइफ ग्रुप चर्चाओं में उपयोग के लिए एक सरल मार्गदर्शिका है। हमारा उद्देश्य रविवार के संदेश के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है—कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति वचन का करने वाला बन रहा है और अपने जीवन को परमेश्वर के पवित्र वचन पर बना रहा है। लाइफ ग्रुप की सभा सामान्यतः 2 घंटे की होती है। प्रत्येक लाइफ ग्रुप में लगभग 12-15 लोग होते हैं।

तैयारी

लाइफ ग्रुप बैठक की तैयारी के लिए, आप Sermon Key Points (पाँच मिनट में संदेश का सार) या पूरा रविवार का संदेश सुन सकते हैं। आप रविवार के संदेश के नोट्स भी देख सकते हैं। यह सभी "All Peoples Church Bangalore" – ऑल पीपल्स चर्च बैंगलोर" मोबाइल ऐप में या ऑनलाइन **apcwo.org/sermons** पर उपलब्ध हैं। लाइफ ग्रुप बैठक के लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा के कार्य और सेवकाई को आमंत्रित करें।

स्वागत

लाइफ ग्रुप बैठक की शुरुआत प्रार्थना, आराधना और किसी मनोरंजक गतिविधि के समय से हो सकती है।

परमेश्वर के वचन को सुनें

निम्नलिखित शास्त्र खंड पढ़ें: 1 थिस्सलुनीकियों अध्याय 3,4

मिलकर परमेश्वर के वचन की जाँच करें

1, 1 थिस्सलुनीकियों 3:12-13 के आधार पर हमने कहा है कि पवित्रता में चलने के लिए, हमें प्रेम में चलना चाहिए। इस पर आगे चर्चा करें।

2, 1 थिस्सलुनीकियों 4:1-8 पर गहराई से चर्चा करें, इन बातों पर विचार करते हुए: (A) कामुकता पर समाज में मौजूद सभी संदेशों को देखते हुए, आज की हमारी दुनिया में हम इस आज्ञा और पवित्रता की बुलाहट का अभ्यास कैसे करते हैं (B) हम विश्वासियों की अगली पीढ़ी को पवित्रता और यौन शुद्धता की इस बुलाहट पर दृढ़ बने रहने के लिए कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं।

3, 1 थिस्सलुनीकियों 4:11-12 में दी गई आज्ञा विश्वासियों के रूप में पांच आवश्यक अभ्यासों पर प्रकाश डालती है। चर्चा करें कि हम आज की अपनी दुनिया में इनमें से प्रत्येक का अभ्यास कैसे करते हैं:

- *शांत जीवन बिताएं।*
- *अपने काम से काम रखें।*
- *अपने हाथों से काम करें।*
- *गैर-मसीहियों के प्रति उचित व्यवहार/आचरण करें।*
- *अपने जीवन से परमेश्वर के विश्वसयोग्य प्रबंधन का प्रकटीकरण होने दें।*

एकसाथ परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए समाप्त करे।

उपयोगी संसाधन

हर रविवार सुबह 10:30 बजे (भारतीय समय, GMT+5:30) हमारी ऑनलाइन संडे चर्च सेवा का लाइव प्रसारण देखें। पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त आराधना, वचन और चंगाई, चमत्कार तथा छुटकारे की सेवा।
यूट्यूब: https://youtube.com/allpeopleschurchbangalore
वेबसाइट: https://apcwo.org/live

हमारी अन्य वेबसाइट्स और निःशुल्क संसाधन:
चर्च: https://apcwo.org
निःशुल्क संदेश: https://apcwo.org/resources/sermons
निःशुल्क पुस्तकें: https://apcwo.org/books/english
दैनिक भक्ति-वचन: https://apcwo.org/resources/daily-devotional
यीशु मसीह: https://examiningjesus.com
बाइबल कॉलेज: https://apcbiblecollege.org
ई-लर्निंग: https://apcbiblecollege.org/elearn
वीकेंड स्कूल्स: https://apcwo.org/ministries/weekend-schools
काउंसलिंग: https://chrysalislife.org
संगीत: https://apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिप: https://pamfi.org
चर्च ऐप: https://apcwo.org/app
चर्चेस: https://apcwo.org/ministries/churches
विश्व मिशन: https://apcworldmissions.org

उपदेशों की रूपरेखा

यह उपदेशों की श्रृंखला प्रेरित पौलुस द्वारा लिखे गए पहले दो पत्रियों, 1 और 2 थिस्सलुनीकियों का पद-दर-पद अध्ययन है। इस श्रृंखला के भाग-2 में हम 1 थिस्सलुनीकियों के अध्याय 3 और 4 को सम्मिलित करते हैं। हम पवित्रता के लिए अपनी बुलाहट पर चर्चा करते हैं, जो हमारे दिलों में स्थापित पवित्रता से शुरू होकर यौन शुद्धता, अत्यधिक प्रेम, उचित आचरण और आशा से भरे जीवन के माध्यम से हमारे दैनिक जीवन तक फैलती है।

मुख्य शब्द

1 थिस्सलुनीकियों, 2 थिस्सलुनीकियों, सन्देश, संदेशों के नोट्स, संदेशों की रूपरेखा, मुफ्त सन्देश नोट्स, मुफ्त संदेशों की रूपरेखा, बाइबल अध्ययन संसाधन।

संदर्भ / उद्धरण

जब तक अन्यथा संकेत न दिया जाए, सभी शास्त्र उद्धरण न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबल 2020 (NASB) से लिए गए हैं, कॉपीराइट © द लॉकमेन फाउंडेशन द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित।

बाइबल संबंधी परिभाषाएँ, हिब्रू और ग्रीक शब्द और उनके अर्थ निम्नलिखित संसाधनों से लिए गए हैं:

थायर्स ग्रीक डेफिनिशन। 1886, 1889 में प्रकाशित; सार्वजनिक डोमेन।

स्ट्रॉन्स हिब्रू एंड ग्रीक डिक्शनरी, स्ट्रॉन्स एग्जॉस्टिव कॉन्कॉर्डेंस - जेम्स स्ट्रॉन्ग द्वारा STD, LLD, 1890 में प्रकाशित; सार्वजनिक डोमेन।

वाइन्स कम्प्लीट एक्सपोजिटरी डिक्शनरी ऑफ ओल्ड एंड न्यू टेस्टामेंट वर्ड्स, © 1984, 1996, थॉमस नेल्सन, इंक., नैशविले, TN

माउंस कंसाइज ग्रीक-इंग्लिश डिक्शनरी। विलियम डी. माउंस और रिक डी. बेनेट जूनियर द्वारा संपादित (1993)

वर्ड पिक्चर्स इन द न्यू टेस्टामेंट। आर्किबाल्ड थॉमस रॉबर्टसन। 1930-1933 में प्रकाशित; सार्वजनिक डोमेन।

वर्ड स्टडीज इन द न्यू टेस्टामेंट। मार्विन आर. विन्सेंट, D.D. (1886)।